सत्य • निर्भीक • निष्पक्ष

सत्य का असर
समाचार पत्र

कानपुर नगर

मंगलवार, 22 सितंबर 2026 कानपुर नगर

# फसल अवशेष प्रबंधन पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण का शुभारम्भ

## किसानों को फसल अवशेष न जलाने के लिए किया जागरूक

पत्रकार जितेंद्र कुमार सिंह पटेल संपर्क सूत्र 9956 8340 16

**कानपुर नगर।** कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर द्वारा 21 से 25 सितंबर 2026 तक पांच दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया, जिसका शुभारंम्भ सोमवार को किया गया।

कार्यक्रम में डॉ. द्रीपक मिश्रा ने किसानों को फसल अवशेषों को खेत में सड़ाकर खाद बनाने की सलाह दी। डॉ. खलील खान ने आग लगाने से पर्यावरण, स्वास्थ्य और मृदा के सूक्ष्म जीवाणुओं पर होने वाले प्रभावों के बारे में विस्तार से बताया।

डॉ. राजेश राय ने कार्यक्रम का संचालन किया तथा डॉ. अरूण कुमार सिंह के साथ लगभग 30 किसानों ने प्रशिक्षण में सक्रिय सहभागिता की।

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष : 18 अंक : 84 कानपुर, मंगलवार 22 सितम्बर 2026 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य : 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

# फसल अवशेष प्रबंधन पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण का शुभारम्भ

कानपुर । सीएसए के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर द्वारा फसल अवशेष प्रबंधन पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण 21 से 25 सितंबर 2026 कार्यक्रम शुरू किया गया। कार्यक्रम में किसानों को फसल अवशेषों को न जलाने के लिए जागरूक किया।कार्यक्रम में डॉक्टर दीपक मिश्रा ने किसानों से कहा कि फसल अवशेषों में आग न लगाकर उन्हें खेत में सड़ा कर ही खाद बनाएं। इससे मिट्टी की उर्वरा शक्ति बरकरार रहेगी। कार्यक्रम में डॉ. खलील खान ने कहा कि फसल अवशेषों में आग लगने से पर्यावरण प्रदूषित होता है। इसके साथ ही मनुष्य का स्वास्थ्य भी काफी हद तक प्रभावित होता है। इसमें बच्चे बुजुर्ग व गर्भवती महिलाएं सबसे अधिक प्रभावित होती हैं। उन्होंने बताया कि जनपद में धान व गेहूं फसल चक्र मुख्य है। जिससे काफी मात्रा में फसल अवशेष होता है। आग लगने से मृदा में सूक्ष्म जीवाणु नष्ट हो जाते हैं। डॉक्टर खान ने बताया कि फसल अवशेष प्रबंधन के लिए किसानों का जागरूक होना अति आवश्यक है। कार्यक्रम का सफल संचालन वैज्ञानिक डॉ. राजेश राय द्वारा किया गया। इस अवसर पर वैज्ञानिक डॉ. अरुण कुमार सिंह सहित प्रगतिशील किसान छुन्ना लाल, राजेंद्र कुमार,राहुल कुमार, राजमणि सहित लगभग 30 किसानों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

# फसल अवशेष प्रबंधन पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

कानपुर, 21 सितम्बर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर की ओर से फसल अवशेष प्रबंधन पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण (21 से 25 सितंबर 2026) कार्यक्रम शुरू किया गया। कार्यक्रम में किसानों को फसल अवशेषों को न जलाने के लिए जागरूक किया।कार्यक्रम में डॉक्टर दीपक मिश्रा ने किसानों से कहा कि फसल अवशेषों में आग न लगाकर उन्हें खेत में सड़ा कर ही खाद बनाएं। इससे मिट्टी की उर्वरा शक्ति बरकरार रहेगी। कार्यक्रम में डॉ. खलील खान ने कहा कि फसल अवशेषों में आग लगने से पर्यावरण प्रदूषित होता है। इसके साथ ही मनुष्य का स्वास्थ्य भी काफी हद तक प्रभावित होता है। इसमें बज्चे बुजुर्ग व गर्भवती महिलाएं सबसे अधिक प्रभावित होती हैं। इस अवसर पर वैज्ञानिक डॉ. अरुण कुमार सिंह सहित प्रगतिशील किसान छुन्ना लाल, राजेंद्र कुमार,राहुल कुमार, राजमणि सहित लगभग 30 किसानों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। कार्यक्रम का संचालन वैज्ञानिक डा. राजेश राय ने किया।

समर्थ सहारा 22/09/2026

# फसल अवशेष प्रबंधन पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण का शुभारम्भ

**कानपुर** । सीएसए के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर द्वारा फसल अवशेष प्रबंधन पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण 21 से 25 सितंबर 2026 कार्यक्रम शुरू किया गया। कार्यक्रम में किसानों को फसल अवशेषों को न जलाने के लिए जागरूक किया।कार्यक्रम में डॉक्टर दीपक मिश्रा ने किसानों से कहा कि फसल अवशेषों में आग न लगाकर उन्हें खेत में सड़ा कर ही खाद बनाएं। इससे मिट्टी की उर्वरा शक्ति बरकरार रहेगी। कार्यक्रम में डॉ. खलील खान ने कहा कि फसल अवशेषों में आग लगने से पर्यावरण प्रदूषित होता है। इसके साथ ही मनुष्य का स्वास्थ्य भी काफी हद तक प्रभावित होता है। इसमें बच्चे बुजुर्ग व गर्भवती महिलाएं सबसे अधिक प्रभावित होती हैं। उन्होंने बताया कि जनपद में धान व गेहूं फसल चक्र मुख्य है। जिससे काफी मात्रा में फसल अवशेष होता है। आग लगने से मृदा में सूक्ष्म जीवाणु नष्ट हो जाते हैं। डॉक्टर खान ने बताया कि फसल अवशेष प्रबंधन के लिए किसानों का जागरूक होना अति आवश्यक है। कार्यक्रम का सफल संचालन वैज्ञानिक डॉ. राजेश राय द्वारा किया गया।